युवा संसाधन केन्द्र (YOUTH RESOURCE CENTRE)

1.प्रश्न :- गॉवां में "युवा संसाधन केन्द्र के निर्माण से युवाआं पर क्या प्रभाव पड़ा है?

उत्तर:- गॉवों में "युवा संसाधन केन्द्र" के निर्माण से युवाओं पर अच्छा प्रभाव पड़ा है। जा युवागण गॉव में असंगठित थे, वे वर्तमान समय में संगठित रूप से अपने दलित एवं पिछड़े समाज को आगे ले जाने के कार्य में प्रयासरत् हैं। युवा संसाधन केन्द्र से जुड़े युवागण प्रत्येक दिन निश्चित समय पर, सामूहिक पढ़ाइं करते हैं। समाज की गतिविधियों पर भी अपनी नजर रखत हैं।

2.प्रश्न:- "युवासंसाधन केन्द्र "से जुड़ने के बाद युवाओंकोक्या-क्याफायदाहोरहाहै?

उत्तर:- "युवासंसाधन केन्द्र" से जुड़ने के बाद युवाओं को बहुत प्रकार से फायदा हुआ है। जैसे कि उन्हें प्रतियोगिता की तैयारी के लिए महंगे ट्यूशनजाने की जरूरत नहीं होतीहै, वे अपने दल में बैठकर एक दूसरे की सहभागिता से प्रतियोगिताओं की तैयारी कर लेते हैं। वेरोजगार से संबंधित सूचनाओंको एकत्रित करते हैं और समाज की कुछ समस्याओं को भी युवागण मिलकर निवारण कर लेते हैं।

कुछ महिनों पहले बरबीघा क्षेत्र के रजौरा, रामपुर-सिंडाय, विशुनपुर, मालदह गॉव से लगभग 10 से 12 युवाओं का चयन सरकारी नौकरियों जैसे SSC,बिहार पुलिस, होमगार्ड एवं रेलवे इत्यादि के लिए हुआहै।

3.प्रश्न:- आपने कहा कि YRC के कारण युवा अब अपन समाज की कुछ समस्याओं का समाधान कर लते हैं,आपको ऐसा क्यां लगता है? क्याउनमें यह भावना पहले से नहीं थी?

उत्तर:- कुछ गॉव के युवाओं में सामाजिक नेतृत्व की भावना पहले से थोड़ा-बहुत थी, मगर उनमें आत्मविश्वास की कमी थी जिसकी वजह से वह पहले सामाजिक नेतृत्व करने से कतराते थे।

मगरजब से इनलोंगो का सम्पर्क युवासंसाधन केन्द्र से हुआ और जैसे-जैसे इन युवाओंको पढ़ाई के साथ-साथ नेतृत्व एवं व्यक्तिगत प्रशिक्षणों से जोड़ा जाने लगा, तबसे इनके अंदर छुपी हुईप्रतिभाएँ बाहर आने लगीं।

रामपुर-सिंडाय नाम के गॉव में युवाओं के संघर्ष से कई शराबकी दुकानें बन्द कराई गई। रजौरा नाम के गॉव में बिजली की अभाव को देखते हुए युवाओं के संघर्ष से टांसफॉरमर लगवाया गया। इसी गॉव में बिते वर्ष अत्याधिक वर्षा की वजह से टुटे पूल का भीनिर्माणरातों-रात की गई।

4.प्रश्नः- आप बता सकत हैं कि युवासंसाधन केन्द्र का भविष्य कैसे देखतेह? क्याहो सकताहैं?

उत्तरः- मेरे विचार से युवासंसाधन केन्द्र न केवल युवापीढ़ी का बल्कि पूरे गॉवका,विशेषकरबच्चों का मार्ग दर्शन में मददगार स्थापित होगा। युवा संसाधन केन्द्र के जरिए अनेको युवाकिसी न किसीनौकरी के लिए चुने जा सकते हैं। युवापीढ़ी के सामने एक लक्ष्य/सपना रखनेमें यह केन्द सार्थक बन सकता है। युवापीढ़ी के बढ़ते कदम से बच्चे शिक्षा के प्रति जरूर प्रेरित होंगे। इसके अलावा, युवा संसाधन केन्द्र युवाआं को **संगठित** आवाज प्रदान करता है जिसके कारण युवागॉव के विकास में अहम् भूमिका निभा सकेंगे।